

प्रेषक,

डा० भूपिन्दर कौर औलख,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. निदेशक,
समाज कल्याण, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी, नैनीताल

2. निदेशक,
जनजाति कल्याण, उत्तराखण्ड
देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग- 02

देहरादून : दिनांक 26 मई, 2016

विषय:-समाज कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं को पारदर्शी ICT (Information and Communication Technology) के माध्यम से ऑनलाईन क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में शासन स्तर पर सम्यक विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों को प्राप्त होने वाले वित्तीय लाभों को पारदर्शी एवं त्वरित वितरण व्यवस्था हेतु राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एन0आई0सी0) उत्तराखण्ड के सहयोग से ऑनलाईन क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाय।

2- उपर्युक्तानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा जन कल्याणार्थ की जा रही आई0टी0 प्रयासों की निरंतरता से मिली उपलब्धियों के सतत क्रियान्वयन तथा इसका निरंतर अनुश्रवण (feedback), अनुरक्षण (Software maintenance) एवं प्रशिक्षण (training /handholding) आदि कार्यों हेतु वर्ष 2014-15 से जनजाति कल्याण निदेशालय, देहरादून में आई0टी0 सेल की स्थापना की गयी है। समाज कल्याण विभाग की वेब-साइट <http://www.socialwelfare.uk.gov.in> (विभागीय पोर्टल) पर विभागीय नीतियों को एक स्थान पर संरक्षित करने का प्रयास किया गया है।

3- वर्ष 2011-12 से वृद्धावस्था पेंशन, वर्ष 2013-14 से विधवा एवं विकलांग पेंशन तथा वर्ष 2014-15 से किसान पेंशन योजनाओं का सफलतापूर्वक सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्रियान्वयन किया है। वर्ष 2015-16 से जहां सामाजिक सुरक्षा पोर्टल पर अनुसूचित जाति/जनजाति शादी एवं बीमारी अनुदान योजना का ऑनलाईन क्रियान्वयन हेतु वांछित सॉफ्टवेयर मॉड्यूल उपलब्ध है। वहीं गौरा देवी कन्या धन योजना के ऑनलाइन क्रियान्वयन हेतु वांछित सॉफ्टवेयर मॉड्यूल भी <http://www.escholarship.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड छात्र कल्याण पोर्टल) पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। वृद्धावस्था/विधवा/विकलांग पेंशन योजनाओं के सम्बन्ध में आवेदन पत्र से लेकर ई-भुगतान तक का सम्पूर्ण ऑनलाइन क्रियान्वयन <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) पर उपलब्ध है। वर्ष 2016-17 से बौना पेंशन, तीलू

रौतेली पेंशन, परित्यक्ता पेंशन तथा पुरोहित पेंशन से सम्बन्धित वांछित सॉफ्टवेयर मॉड्यूल्स को भी राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एन0आई0सी0) उत्तराखण्ड के सहयोग से <http://www.ssp.uk.gov.in> (सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) पर उपलब्ध करा दिये जाएंगे। समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित समस्त पेंशन योजनायें/छात्रवृत्तियां प्राप्त किये जाने हेतु सम्बन्धित लाभार्थियों के आधार नम्बर एवं स्वयं अथवा अपने निकटस्थ सम्बन्धी के मोबाईल नम्बर दिया जाना अनिवार्य होगा।

(क) वृद्धावस्था पेंशन योजना हेतु पात्रता एवं चयन प्रक्रिया— (i) प्रार्थी की उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक हो, (ii) प्रार्थी का कोई पुत्र/पौत्र 20 वर्ष या 20 वर्ष से अधिक आयु का न हो। यदि आवेदक बी.पी.एल. के अन्तर्गत आता है तो पुत्र/पौत्र 20 वर्ष या अधिक आयु के होने पर भी पात्रता के अन्तर्गत होंगे (iii) प्रार्थी की मासिक आय सभी श्रोतों से ₹ 4000/- से अधिक न हो (iv) ग्रामीण क्षेत्र में भूमि ढाई एकड़ से अधिक हो, (v) प्रार्थी का चयन ग्राम सभा की खुली बैठक में किया गया हो।

(ख) विकलांग पेंशन योजना हेतु पात्रता एवं चयन प्रक्रिया— (i) प्रार्थी की उम्र 18 वर्ष से अधिक हो, (ii) विकलांगता 40 प्रतिशत से कम न हो, प्रार्थी/प्रार्थिनी अथवा अभिभावक की मासिक आय सभी श्रोतों से ₹ 4000/- से अधिक न हो, (iii) पुत्र/पौत्र 20 वर्ष से अधिक आयु के न हो। यदि आवेदक बी0पी0एल0 के अन्तर्गत आते हो तो पुत्र/पौत्र 20 वर्ष या अधिक आयु के होने पर भी पेंशन हेतु पात्र होंगे। (iv) विकलांग प्रमाण पत्र मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्गत (v) चयन प्रक्रिया वृद्धावस्था पेंशन की भांति।

(ग) निराश्रित विधवा पेंशन योजना हेतु पात्रता एवं चयन प्रक्रिया— (i) प्रार्थिनी की उम्र 18 से कम न हो, (ii) आय ₹ 4000/- से अधिक न हो, (iii) प्रार्थी का चयन ग्राम सभा की खुली बैठक में किया गया हो।

आवेदन पत्र के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख एवं औपचारिकताएं— (i) आय प्रमाण पत्र तहसील स्तर का (वर्तमान समय का) (ii) परिवार रजिस्टर की नकल पंचायत मंत्री से (आयु तथा परिवार सदस्यों की जानकारी हेतु), (iii) ग्राम पंचायत की खुली बैठक में चयनित प्रस्ताव की प्रति, (iv) सी0बी0एस0 बैंक खाते की पासबुक की छायाप्रति, (v) आधार कार्ड नम्बर की छायाप्रति, (vi) आवेदन पत्र पर प्रमाणित फोटो (प्रधान/पंचायत मंत्री/सभापद, पार्षद से)

(घ) किसान पेंशन योजना हेतु पात्रता एवं चयन प्रक्रिया— उत्तराखण्ड राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु एवं 02 हैक्टेयर तक स्वयं की खेती करने वाले किसान तथा ऐसे पट्टेदार किसान जिनके पास विधिसम्मत कृषि पट्टा है एवं वह स्वयं कृषि कार्य कर रहें हों तथा समाज कल्याण विभाग/सरकार द्वारा पूर्व से कोई भी पेंशन स्वीकृत न हो उन्हें उत्तराखण्ड किसान पेंशन

के रूप में ₹ 800/- प्रतिमाह देय होगी। आय सीमा का कोई प्रतिबन्ध नहीं है। भूमि का प्रमाण पत्र राजस्व अधिकारी/सहायक कृषि अधिकारी द्वारा निर्गत मान्य होगा आवेदन पत्र शहरी क्षेत्र में संबंधित उपजिलाधिकारी एवं ग्रामीण क्षेत्र में खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से अग्रसारित किया जायेगा।

औपचारिकताएं— (i) खतौनी की नकल की प्रमाणित प्रति, (ii) आयु प्रमाण पत्र (iii) सीबीएस बैंक खाता के पासबुक की छाया प्रति (iv) आधार कार्ड की छाया प्रति, (v) ₹ 10/- के स्टाम्प पेपर पर स्वयं की खेती 02 हे० से कम व खेती करने सम्बन्धी शपथ पत्र।

(ड) पेंशन की दरें—

क्र. सं.	योजना का नाम	वर्तमान में पेंशन देय	अन्य विवरण
1	वृद्धावस्था पेंशन	800/-प्रतिमाह	60 वर्ष से 79 आयु तक के बीपीएल लाभार्थियों को केन्द्र सरकार द्वारा ₹ 200/- प्रतिमाह तथा राज्य सरकार द्वारा ₹ 600/- प्रतिमाह पेंशन देय है। इसी प्रकार 80 वर्ष से अधिक आयु के बीपीएल लाभार्थियों को केन्द्र सरकार द्वारा ₹ 500/- प्रतिमाह तथा राज्य सरकार द्वारा ₹ 300/- देय है। बीपीएल श्रेणी के अतिरिक्त वृद्धावस्था पेंशन के जिन लाभार्थियों की मासिक आय ₹4000/- तक है ऐसे समस्त लाभार्थियों को राज्य सरकार द्वारा ₹ 800/- मासिक पेंशन देय है।
2	विकलांग पेंशन	800/-प्रतिमाह	योजनान्तर्गत 18 वर्ष अधिक आयु के बीपीएल लाभार्थियों को केन्द्र सरकार द्वारा ₹ 200/-प्रतिमाह तथा राज्य

			सरकार द्वारा ₹ 600/- मासिक पेंशन देय है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा लैप्रोसी से ग्रस्त पेंशनर को ₹ 1000/- मासिक पेंशन देय है।
3	विधवा पेंशन	800/-प्रतिमाह	40 वर्ष से 59 आयु तक के बीपीएल लाभार्थियों को केन्द्र सरकार द्वारा ₹ 200/- प्रतिमाह तथा राज्य सरकार द्वारा ₹ 600/- मासिक पेंशन देय है। इसी प्रकार 18 वर्ष से 39 वर्ष तथा 60वर्ष से अधिक आयु की बीपीएल श्रेणी के अतिरिक्त विधवा पेंशन के जिन लाभार्थियों की मासिक आय ₹ 4000/- तक है ऐसे समस्त लाभार्थियों को राज्य सरकार द्वारा ₹ 800/- मासिक पेंशन देय है।
4	किसान पेंशन	800/-प्रतिमाह	100 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा पेंशन धनराशि का भुगतान किया जाता है।

4- ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में पेंशन स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया:-

ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों के लाभार्थियों द्वारा पेंशन के आवेदन पत्र जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय अथवा तहसील कार्यालय से निशुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त लाभार्थियों द्वारा आवेदन पत्र को पेंशन साफ्टवेयर <http://www.ssp.uk.gov.in> से भी डाउनलोड किये जा सकते हैं। पेंशन के नवीन आवेदन पत्रों को ऑनलाईन प्रक्रिया के माध्यम से भी जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को भेजने का प्राविधान किया गया है। सम्बन्धित लाभार्थी द्वारा अपना ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने के उपरान्त वांछित अभिलेखों को आवेदन के साथ अपलोड करके जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को भेजा जायेगा तथा आवेदन पत्र का प्रिन्ट निकाल कर उसकी हार्ड कॉपी औपचारिकताओं/वांछित अभिलेखों सहित सम्बन्धित उप जिलाधिकारी अथवा खण्ड विकास अधिकारी की संस्तुति के साथ जिला समाज

3530
कल्याण अधिकारी कार्यालय को अनुमोदन हेतु प्रेषित किये जायेगे। लाभार्थी अपने ऑनलाईन पेंशन आवेदन संख्या के माध्यम से अपने आवेदन पत्र की वर्तमान स्थिति भी ज्ञात कर सकता है।

(क) ग्रामीण क्षेत्रों के आवेदक द्वारा आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भरकर निम्न दस्तावेजों के साथ खण्ड विकास अधिकारी की संस्तुति के उपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा कराये जायेंगे। (i) आवेदन पत्र पर लाभार्थी का पासपोर्ट साईज फोटो चस्पा हो। (ii) ग्राम पंचायत की बैठक के प्रस्ताव की प्रमाणित प्रति। (iii) विधवा पेंशन हेतु पति का मृत्यु प्रमाण पत्र जो सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत किया गया हो। (iv) विकलांग पेंशन हेतु लाभार्थी 40 प्रतिशत विकलांगता का प्रमाण पत्र जो सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत किया गया हो। (v) समस्त पेंशन हेतु सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त बी0पी0एल0 प्रमाण-पत्र की प्रमाणित छायाप्रति अथवा लाभार्थी के बी0पी0एल0 न होने की दशा में ₹ 4000/- मासिक आय का प्रमाण पत्र जो कम से कम तहसीलदार स्तर के अधिकारी के स्तर से जारी किया गया हो। (vi) आयु की पुष्टि हेतु लाभार्थी को निम्नलिखित दस्तावेजों में से किसी एक दस्तावेज को संलग्न किया जायेगा। जैसे- आधार कार्ड अथवा वोटर आई0डी0 कार्ड अथवा राशन कार्ड अथवा परिवार रजिस्टर की नकल अथवा अन्य कोई ऐसा दस्तावेज जो सरकार द्वारा आयु हेतु मान्य किया गया हो की प्रमाणित छायाप्रति। (vii) बैंक अथवा पोस्ट ऑफिस में खोले गये खाते के पासबुक की प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति। (viii) आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जानी अनिवार्य होगी। (ix) परिवार के सदस्यों की संख्या एवं आयु की पुष्टि हेतु परिवार रजिस्टर अथवा राशन कार्ड की छाया प्रति। आवेदन पत्र में सम्बन्धित लाभार्थी द्वारा स्वयं अथवा अपने निकट सम्बन्धी का मोबाईल नं0 अंकित करना आवश्यक होगा।

(ख) शहरी क्षेत्रों में लाभार्थियों द्वारा पेंशन के आवेदन पत्र के साथ निम्न संलग्न दस्तावेजों के साथ सम्बन्धित उप जिलाधिकारी की स्वीकृति के उपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा कराये जायेंगे। (i) आवेदन पत्र पर लाभार्थी का पासपोर्ट साईज फोटो चस्पा होना अनिवार्य है। (ii) लाभार्थी द्वारा ₹ 4000/- मासिक आय का प्रमाण पत्र जो कम से कम तहसीलदार स्तर के अधिकारी के स्तर से जारी किया गया हो। (iii) आयु की पुष्टि हेतु आधार कार्ड अथवा वोटर आई0डी0 कार्ड अथवा राशन कार्ड अथवा अन्य कोई एक दस्तावेज जो सरकार द्वारा आयु हेतु मान्य किया गया हो की प्रमाणित छायाप्रति। (iv) आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जानी आवश्यक होगी। (v) सी0बी0एस0 बैंक में खोले गये खाते के पासबुक की प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति। (शहरी क्षेत्र के लाभार्थियों का सी0बी0एस0 बैंक खाता ही मान्य होगा) (vi) विधवा पेंशन हेतु पति का मृत्यु प्रमाण पत्र जो सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत किया गया हो। (vii) विकलांग पेंशन हेतु लाभार्थी का 40 प्रतिशत विकलांगता का प्रमाण पत्र जो सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत किया गया हो। आवेदन पत्र में सम्बन्धित लाभार्थी द्वारा स्वयं अथवा अपने निकट सम्बन्धी का मोबाईल नं0 अंकित करना आवश्यक होगा।

हरिद्वार, देहरादून, उधमसिंह नगर एवं नैनीताल जनपदों के समस्त मैदानी एवं पर्वतीय जनपदों के नगरीय क्षेत्रों में पेंशन के समस्त लाभार्थियों के खाते सी.बी.एस. बैंकों में खोले जायेंगे। इसके अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्रों में सी0बी0एस0 बैंक शाखा के 3 किमी0 की परिधि के अन्तर्गत आने वाले समस्त लाभार्थियों को सी.बी.एस. बैंक में खाता खोलना अनिवार्य होगा। पर्वतीय क्षेत्रों में सी0बी0एस0 बैंक से 03 किमी की परिधि से बाहर के लाभार्थियों द्वारा अपनी इच्छानुसार खाता पोस्ट ऑफिस अथवा अन्य बैंकों में खोला जा सकता है।

5- आवेदन स्वीकृति की प्रक्रिया -

(क) ऑफलाइन स्वीकृति- खण्ड विकास अथवा तहसील कार्यालयों के माध्यम से प्राप्त ऑफलाइन आवेदन पत्रों के प्राप्त होने के उपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा उनकी जाँच सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारी से निर्धारित समय के अन्तर्गत करायी जायेगी। जाँचोपरान्त पात्र पाये गये आवेदन पत्रों की डाटा प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में करने के अतिरिक्त आवेदन पत्र तथा उसके साथ प्राप्त समस्त अभिलेखों को सम्बन्धित पटल सहायक द्वारा अपने लॉग इन से <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) पर आवेदन पत्र सहित स्कैन करके अपलोड किया जायेगा। सॉफ्टवेयर में फीड किये गये पेंशनरों के डाटा का परीक्षण करने के उपरान्त उसका अनुमोदन सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्रत्येक माह अपने लॉग इन से किया जायेगा। आवेदन पत्रों के जाँच/अनुमोदन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाये जाने पर सहायक समाज कल्याण अधिकारी, पटल सहायक के साथ-साथ सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी भी जिम्मेदार माने जायेंगे। पात्र आवेदकों के फोटो को भी आवेदन पत्र से स्कैन करके सॉफ्टवेयर में संरक्षित रखा जायेगा। इसकी व्यवस्था सॉफ्टवेयर में एन0आई0सी0 द्वारा पृथक से की जायेगी।

(ख) ऑन लाईन स्वीकृति- जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त होने के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित पटल सहायक के लॉग इन पर अग्रसारित कर दिया जायेगा तथा आवेदन पत्रों की जाँच सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारी से निर्धारित समय से अन्तर्गत कराने के उपरान्त सम्बन्धित पटल सहायक द्वारा अपने लॉग इन से पात्र पाये गये आवेदन पत्रों को जिला समाज कल्याण अधिकारी के लॉग इन पर अपनी संस्तुति सहित अग्रसारित किये जायेंगे, जिसे सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अपने लॉग इन से अनुमोदन प्रदान किया जायेगा। सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्रत्येक माह पात्र आवेदन पत्रों पर अनुमोदन की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा ऑनलाईन अनुमोदन के उपरान्त स्वीकृत आवेदन <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) पर सम्बन्धित जनपद के पेंशन योजना के डेटाबेस में स्वतः प्रविष्ट हो जाएंगे।

प्रत्येक जनपद में "देवभूमि जनाधार/सी.एस.सी., ई-डिस्ट्रिक्ट" केन्द्र संचालित है। भविष्य में प्रस्तावित है कि इन केन्द्रों से आवेदकों के द्वारा निर्धारित शुल्क जमा कराने के उपरान्त आवेदन पत्र को समाज कल्याण विभाग के सामाजिक सुरक्षा राज्य पोर्टल पर

ऑनलाईन जमा किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त यदि आवश्यकता हुआ तो, सामाजिक सुरक्षा राज्य पोर्टल पर सीधे प्राप्त हुये ऑनलाईन आवेदनों की जांच हेतु ई-डिस्ट्रिक्ट उत्तराखण्ड की जांच प्रक्रिया का उपयोग भी किया जा सकता है। दोनों परिस्थितियों में जांचे गये आवेदनों तथा जांच रिपोर्ट के विवरण को ई-डिस्ट्रिक्ट उत्तराखण्ड के पोर्टल द्वारा सामाजिक सुरक्षा राज्य पोर्टल पर ऑनलाईन प्रेषित करना होगा। आवेदन पत्रों के जांच/अनुमोदन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाये जाने पर सहायक समाज कल्याण अधिकारी, पटल सहायक के साथ-साथ सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी जिम्मेदार माने जायेंगे। कार्यालय में जॉचोपरान्त प्राप्त ऑनलाईन/ऑफलाईन पेंशन आवेदन पत्रों के डाटा प्रविष्टि तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी को ऑनलाईन आवेदन पत्रों को संस्तुति की जिम्मेदारी सम्बन्धित पटल सहायक की होगी तथा पटल सहायक द्वारा संस्तुत किये गये आवेदन पत्रों को अनुमोदन करने का दायित्व सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी का होगा। अतः सॉफ्टवेयर में किसी भी प्रकार की फर्जी/गलत डाटा फीडिंग के लिए पटल सहायक के साथ सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी भी उत्तरदायी होंगे।

6- पेंशनरो का भौतिक सत्यापन एवं सामाजिक अकॅक्षण हेतु दिशा-निर्देश :-

(i) भारत सरकार के निर्देशानुसार एन0एस0ए0पी0 के पेंशनरो का छमाही सामाजिक अकॅक्षण (Social Audit) कराया जाना आवश्यक है। (ii) जिला समाज कल्याण अधिकारी अपने जनपद के जिलाधिकारी से सम्पर्क स्थापित करते हुए मनरेगा एवं इन्दिरा आवास योजना के साथ-साथ समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित पेंशन योजनाओं का भी सामाजिक अकॅक्षण (Social Audit) कराना सुनिश्चित करेंगे तथा मृतक एवं अपात्र पेंशनरो को सॉफ्टवेयर से पृथक करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। (iii) पेंशनरों का प्रत्येक दो वर्ष में Third Party Verification कराया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर इस प्रकार के Verification को प्रति वर्ष भी कराया जा सकता है। Third Party Verification में व्यय की जाने वाली धनराशि को NASP मद में प्राप्त 3 प्रतिशत प्रशासनिक मद के द्वारा व्यय किया जायेगा। (iv) प्रत्येक वर्ष माह अप्रैल में ग्रामीण क्षेत्रों में सम्बन्धित ग्राम पंचायत विकास अधिकारी तथा शहरी क्षेत्रों में सम्बन्धित लेखपाल/पटवारी द्वारा पेंशनर का जीवन प्रमाणपत्र (Life Certificate) अनिवार्य रूप से प्राप्त किया जायेगा, जिसे सम्बन्धित क्षेत्र के सहायक समाज कल्याण अधिकारी द्वारा संकलित किया जायेगा, जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्रों के आधार पर मृतक पेंशनरो को सॉफ्टवेयर से पृथक करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इसके अतिरिक्त अपात्र/ मृतक पेंशनरों की धनराशि को तत्काल वापस करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। भविष्य में पेंशनरो के आधार कार्ड एवं जीवन प्रमाण-पत्र का विवरण/डाटा कोषागार से लिंक किया जाना प्रस्तावित है। अतः सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारियों द्वारा समस्त पेंशनरो के आधार नं0 को संकलित करने के साथ-साथ पेंशनर का प्रतिवर्ष जीवन प्रमाण-पत्र भी प्राप्त करना अनिवार्य होगा, जिसकी प्रविष्टि <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) पर की जायेगी।

7- पेंशन वितरण की प्रक्रिया:-

(क) पेंशन प्रोसेसिंग (संसाधन)- सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्राप्त आवेदनों को नियमित अद्यतन रखने के साथ ही मृतक लाभार्थी/अपात्र लाभार्थियों के मोबाइल नम्बर तथा लाभार्थियों के खातों को प्रत्येक दिन अपडेट कराया जायेगा। सभी प्राप्त लाभार्थी डाटा को अद्यतन करते हुए पेंशन योजनाओं को त्रैमासिक आधार पर राउंडवार (Round) प्रक्रिया (Process) की जायेगी। सॉफ्टवेयर द्वारा पेंशन संसाधन करने के पश्चात संसाधित लाभार्थियों के डाटा में कोई भी तब्दीली नहीं की जा सकती किन्तु नए लाभार्थियों की डाटा एंट्री तथा स्वीकृति सदैव की जा सकती है। अतः यदि संसाधित करने के बाद भी ऐसे लाभार्थियों की डाटा एंट्री की जाती है जिनको वर्तमान तिमाही में ही पेंशन भुगतान करना है तो ऐसे लाभार्थियों को उसी तिमाही में नया राउंड शुरू कर संसाधित किया जा सकता है। इसका अनुश्रवण सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा स्वयं किया जायेगा।

एक व्यक्ति को विभाग द्वारा एक ही पेंशन योजनान्तर्गत लाभान्वित किये जाने का प्राविधान है अतः पेंशन संसाधित (Process) करने के पूर्व समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सुनिश्चित कर लिया जायेगा, कि कोई भी पेंशनर जनपद में अथवा अन्य जनपदों में एक से अधिक पेंशन योजनाओं का लाभ तो नहीं ले रहा है। इस हेतु रिपोर्ट्स (डाटा में त्रुटि रिपोर्ट, विचाराधीन रिकार्ड्स रिपोर्ट आदि) <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) में समाज कल्याण अधिकारी लॉग इन पर उपलब्ध हैं।

पात्र आवेदनों को संसाधित (Process) करने के उपरांत सी0बी0एस0 खाता धारक लाभार्थियों का बैंक-वार डाटा कोषागार पोर्टल (Core Treasury System) पर ऑनलाईन बिल बनाने हेतु <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) द्वारा वेब सर्विस के माध्यम से उपलब्ध करवाया जाएगा। बिल बनाने के उपरांत कोषागार द्वारा सीधे लाभार्थियों के सी0बी0एस0 खातों में पेंशन धनराशि का भुगतान किया जाएगा तथा प्रत्येक लाभार्थी के सी0बी0एस0 बैंक खाते में किये गए भुगतान की ट्रांसेक्शन आईडी रिवर्स वेब सर्विस के द्वारा <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) पर उपलब्ध करवायी जाएगी जिसे सॉफ्टवेयर द्वारा संबंधित लाभार्थी के सम्मुख संरक्षित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऑफलाइन (डाकघर, मनी आर्डर अथवा नॉन सी0बी0एस0 खातों) में प्रेषित की गयी पेंशन धनराशि की पावत जानकारी (मनी आर्डर संख्या अथवा चेक नंबर) को भी सॉफ्टवेयर में प्रत्येक लाभार्थी के सम्मुख संरक्षित किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में नैफ्ट पद्धति से पेंशन की धनराशि का विवरण केवल उच्चाधिकारियों की अनुमति से ही किया जा सकेगा।

(ख) पेंशन पब्लिशिंग (प्रकाशन)- पेंशन की धनराशि सम्बन्धित लाभार्थियों को प्रेषित करने के उपरान्त एक सप्ताह के भीतर सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी के लॉग इन द्वारा ट्रांजेक्शन आई0डी0, मनी आर्डर संख्या अथवा चेक नंबर सभी संसाधित लाभार्थियों के सम्मुख अंकित करते हुए लाभार्थियों को सार्वजनिक सूचना हेतु प्रकाशित (Publish) किया जाएगा। पेंशन प्रकाशित किये जाने पर सभी लाभार्थी, जिनका मोबाइल नंबर <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) में दर्ज है, को पेंशन अदायिगी का एस0एम0एस0(SMS) स्वतः ही प्रेषित हो जाएगा। अतः समस्त

3630
पेंशनरों के स्वयं अथवा उनके निकट सम्बन्धी का मोबाइल नम्बर साफ्टवेयर में अंकित किया जाना अनिवार्य है। पेंशन प्रकाशित करने के उपरांत सभी लाभार्थियों का डाटा <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) के सार्वजनिक डैशबोर्ड पर, जनकल्याणकारी सेवाओं में तथा विभागीय विश्लेषणात्मक रिपोर्ट्स में उपलब्ध हो जाएगा।

(ग) स्वतः (Automatic) आयु वृद्धि— पेंशन योजनाओं में आयु की शर्तों तथा आयु के आधार पर केंद्रीय एवं राज्य वित्त वितरण को देखते हुए सॉफ्टवेयर <http://www.ssp.uk.gov.in> (उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल) में वित्तीय वर्ष के प्रारंभ होने पर लाभार्थी की आयु में एक वर्ष की वृद्धि का प्रावधान रखा गया है। नया वित्तीय वर्ष प्रारम्भ होने पर स्वतः ही सभी लाभार्थियों की आयु में एक वर्ष की वृद्धि हो जाएगी। यह प्रावधान सॉफ्टवेयर में पुराने पेंशनरों की जन्म तिथि की अनुपलब्धता के कारण रखा गया था। भविष्य में जिन लाभार्थियों की जन्मतिथि डाटाबेस में उपलब्ध है, उनकी आयु में वृद्धि उनके जन्मतिथि के माह की पहली तारीख से होगी।

(घ) आवेदन अथवा पेंशन की वर्तमान स्थिति/जनकल्याणकारी सेवायें –

- (i) एस०एम०एस० द्वारा पेंशन की वर्तमान स्थिति – यदि लाभार्थी के मोबाइल नंबर की सही जानकारी सॉफ्टवेयर में उपलब्ध हो, तो एस०एम०एस० के माध्यम से लाभार्थी को पेंशन संसाधन की अद्यावधिक जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- (ii) आई०वी०आर०एस० द्वारा पेंशन की वर्तमान स्थिति – विभाग द्वारा आई०वी०आर०एस० पद्धति निदेशालय समाज कल्याण, हल्द्वानी में प्रारम्भ की गई है, इस पद्धति के माध्यम से सम्बन्धित लाभार्थी अपनी पेंशन की जानकारी विभाग द्वारा जारी टोल फ्री नम्बर (1800-180-4094) से प्राप्त कर सकता है। जिसके लिए सम्बन्धित लाभार्थी को टोल फ्री नम्बर डायल करने के उपरान्त दिये जा रहे निर्देशों का पालन करते हुए अपने बैंक अथवा डाकघर की खाता संख्या दर्ज करना होगा, तदुपरान्त सम्बन्धित लाभार्थी को अपनी पेंशन की अद्यावधिक जानकारी प्राप्त होगी।
- (iii) एन्डराएड मोबाइल एप्लीकेशन द्वारा पेंशन की वर्तमान स्थिति – उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल <http://www.ssp.uk.gov.in> की जनकल्याणकारी सेवाओं में उपलब्ध एंड्राइड मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड लिंक से डाउनलोड कर तथा इंस्टाल करके एंड्राइड मोबाइल एप्लीकेशन द्वारा भी पेंशन के लिए आवेदन अथवा पेंशन संसाधन की वर्तमान जानकारी का विवरण देखा जा सकता है। इस हेतु लाभार्थी को मोबाइल एप्लीकेशन में सम्बन्धित पेंशन का चुनाव कर अपना बैंक खाता संख्या प्रेषित करना होगा, यदि बैंक खाता संख्या पेंशनर के बैंक खाता संख्या से मेल खाता है तो लाभार्थी को वर्तमान संवितरण धनराशि की जानकारी प्रदर्शित हो जाएगी।

(iv) उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल <http://www.ssp.uk.gov.in> पर नागरिकोन्मुख सेवायें - नागरिक उन्मुख सेवाओं में उपलब्ध उपयोगिताओं/ रिपोर्ट्स को काम में लाने पर पेंशन की वर्तमान स्थिति, किसी भी लाभार्थी को अभी तक दी गयी समस्त पेंशन का सम्पूर्ण विवरण (लाभार्थी पेंशन पासबुक), विभिन्न पेंशन योजनाओं में दी जाने वाली अनुदान राशि, पेंशन योजनाओं हेतु आवेदन पत्र, किसी जनपद की किसी तहसील/विकासखण्ड/ग्रामपंचायत/नगर पालिका/ वार्ड/ग्राम स्तर के समस्त लाभार्थियों का बैंक वार, क्षेत्र वार विवरण एवं अन्य भी कई जानकारियाँ प्राप्त की जा सकती हैं।

(च) G to G डेटा शेयरिंग- उत्तराखण्ड सामाजिक सुरक्षा पोर्टल <http://www.ssp.uk.gov.in> पर उपलब्ध केन्द्र पोषित लाभार्थियों का विवरण एन०एस०ए०पी० (N.S.A.P.) पोर्टल (<http://www.nsap.nic.in>) पर वेब सर्विस के माध्यम से भेजा जाता है। इसके साथ ही ई-ताल पोर्टल <http://www.etaal.gov.in> पर भी सॉफ्टवेयर की समस्त ट्रांसेक्शनस का विवरण वेब सर्विस के माध्यम से भेजा जाएगा। सामाजिक सुरक्षा राज्य पोर्टल को ई-कोष पोर्टल से भी जोड़ा गया है, जिससे सामाजिक सुरक्षा राज्य पोर्टल से सृजित हुए पेंशन वितरण आदेशों को ई-कोष पोर्टल पर ट्रेजरी बिलों के माध्यम से बैंक खातों में सीधे पेंशन भुगतान किया जाता है। जिला समाज कल्याण अधिकारी सामाजिक सुरक्षा राज्य पोर्टल के माध्यम से ही समाज कल्याण निदेशालय को ऑनलाइन "मासिक पेंशन प्रगति रिपोर्ट" प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे।

"डाटा एन्ट्री ऑपरेटर" यूजर-रोल से पोर्टल पर केवल डाटा प्रविष्टि ही हो सकेगी। आवेदन की पुष्टि, डाटा की सत्यता की जांच एवं डाटा संशोधन/डाटा अद्यतन का कार्य जिला समाज कल्याण कार्यालय में सम्बन्धित पटल सहायक द्वारा "पटल सहायक" यूजर-रोल से किया जायेगा। पटल सहायक द्वारा जांचे गए आवेदनों को सम्बन्धित समाज कल्याण अधिकारी सत्यापित करेंगे तथा समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सत्यापित लाभार्थियों को ही पेंशन वितरण हेतु संसाधित (Process) किया जा सकेगा। अपूर्ण/अपात्र पाये जाने पर आवेदन पत्रों को जांचोपरान्त सम्बन्धित पटल सहायक द्वारा अपने लॉग इन से अद्यतन किया जायेगा तथा अद्यतन के उपरान्त सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा पुनः सत्यापित किया जायेगा।

8- ई-मेल नीति (Policy of Email)- आई.टी.सेल, जिला समाज कल्याण अधिकारियों एवं निदेशक समाज कल्याण द्वारा ई-मेल से पत्राचार करने हेतु निम्नांकित सरकारी ई-मेल आई.डी. जो एन.आई.सी. द्वारा तैयार की गई है, प्रयोग में लाये जायेंगे।

पेंशन योजनाओं के प्रकरणों का त्वरित तथा पारदर्शिता के साथ निराकरण सम्बन्धी तथा अन्य लाभों के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि यह व्यवस्था एन०आई०सी० के तकनीकी सहयोग से समस्त जिलों में तत्काल प्रभाव से लागू की जाय। प्रत्येक जिले के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी तथा जनजाति कल्याण निदेशालय (भगत सिंह कालोनी) में स्थापित समाज कल्याण के आई०टी० सैल द्वारा भी खण्डों में कार्यरत सहायक समाज कल्याण अधिकारियों एवं जिला समाज कल्याण अधिकारियों को इस सम्बन्ध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त निदेशक, समाज कल्याण

तथा निदेशक, जनजाति कल्याण द्वारा स्वयं अथवा आई0टी0सैल के माध्यम से उक्त पेंशन योजनाओं की स्थापित व्यवस्था की समय-समय पर समीक्षा की जायेगी तथा अपने सुझाव शासन को प्रेषित किये जायेंगे। योजना के क्रियान्वयन हेतु जिम्मेदार किसी भी अधिकारी/कर्मचारी द्वारा यदि शासनादेश में वर्णित किसी प्राविधान का उल्लंघन किया जाता है, तो सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

9— इस सम्बन्ध में पूर्व में निर्गत किये गये शासनादेशों को उक्त सीमा तक संशोधित समझा जायें एवं अन्य सभी शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

भवदीया,

(डा0 भूपिन्दर कौर औलख)

सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:— 729 /XVII-2/16-01(02)/2010 तददिनांक

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. अपर सचिव श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड शासन।
2. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
3. निजी सचिव मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन, को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. महालेखाकार, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड। (द्वारा निदेशक)
8. आयुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल।
9. निदेशक, समाज कल्याण/जनजाति कल्याण, उत्तराखण्ड।
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड।
11. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड।
12. उपनिदेशक/नोडल अधिकारी, आई0टी0सैल, देहरादून।
13. समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
14. समस्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (डी.आई.ओ. एन.आई.सी.) उत्तराखण्ड। (द्वारा निदेशक)
15. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड। (द्वारा निदेशक)
16. समस्त सहायक समाज कल्याण अधिकारी उत्तराखण्ड। (द्वारा निदेशक)
17. गार्ड फ़ाइल।

आज्ञा से

(किशन नाथ)

अपर सचिव।

